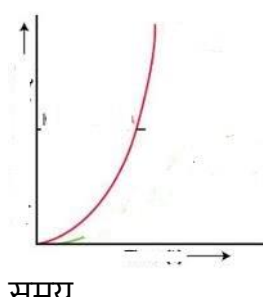


<p style="text-align: center;">अंकन योजना पूरी तरह से गोपनीय (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2024 विषय का नाम जीव विज्ञान (क्यू.पी. कोड 57/3/3)</p>	
सामान्य निर्देश: -	
1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	“मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों लोगों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। उम्मीदवारों की। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।”
3	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं, अन्यथा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा-बारहवीं में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई है, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य अंक होते हैं ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	प्रधान-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहां भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता वहां (✓) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस (X) अंकित किया जाए। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही (✓) नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया जाएगा। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता प्रतिबद्ध हैं।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों

	के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जा सके
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जा सकता है।
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंकों के योग्य प्रश्न का उत्तर बरकरार रखा जाना चाहिए और दूसरे उत्तर को "अतिरिक्त प्रश्न" नोट के साथ काट दिया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों के पूर्ण पैमाने (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 70 अंक) का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात् प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट गाइडलाइन्स में दिया गया है)। यह प्रश्न पत्र में कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
13	<p>सुनिश्चित करें कि आप अतीत में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:-</p> <ul style="list-style-type: none"> ❑ उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकित छोड़ देना। किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ❑ किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ❑ उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। ❑ शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। गलत कुल योग। ❑ शब्दों और अंकों के निशान मेल नहीं खाते/समान नहीं। ❑ उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। ❑ उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। (सुनिश्चित करें कि सही टिक मार्क सही और स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए एक्स के साथ भी ऐसा ही है।) ❑ उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (x) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	कोई भी मूल्यांकन न किया गया भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन किया जाए
16	विवेकपूर्वक. परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले "स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।

17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

MARKING SCHEME
Senior Secondary School Examination, 2024
BIOLOGY (Subject Code-044)
[Paper Code: 57/3/3]

1.	(C)/ आम	1	1
2.	(B) / बीजाणु	1	1
3.	(B)/ $2n, n$	1	1
4.	(D)/ 2680	1	1
5.	(A)/ संख्यामेकम	1	1
6.	(B)/ डाउन्ससिन्ड्रोम	1	1
7.	(C) /50% गुलाबी: 50% सफ़ेद	1	1
8.	(C)/ हेमोफिलसइन्फ्लुएंजा	1	1
9.	(B)/ डीएनएलिगेज	1	1
10.	(C)/ संकरित : भारी, 1 : 31	1	1
11.	C/ <div style="text-align: center;">  </div>	1	1
12.	(B)/ <div style="text-align: center;">  </div>	1	1
13.	(D) / अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) गलत है	1	1
14.	(C)/ अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) गलत है	1	1
15.	(A) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	1	1
16.	(B) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1	1
SECTION - B			
17.	भ्रूण में गुणसूत्र विकार का पता लगाने में एमनियोसेंटेसिस बहुत उपयोगी है। हालाँकि, इसका उपयोग कन्या भ्रूण हत्या के लिए किया जा रहा है, इसलिए एमनियोसेंटेसिस पर प्रतिबंध है	2	2
18.	(a) सेटअप A डीएनए के टुकड़े ऋणात्मक रूप से चार्ज होने के कारण, विद्युत क्षेत्र लागू करने पर एनोड की ओर बढ़ते हैं। (b) । डीएनए के लंबे टुकड़ों की तुलना में छोटा टुकड़ा तेजी से आगे बढ़ेगा/ डीएनए के लंबे	$\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$	

	अवायवीय रूप से बढ़ते हैं (कोई दो)				1																	
	(ii) खाद/उर्वरक (जैविक)के रूप में उपयोग किया जाता है या																					
			जैवसक्रिय अणु	सूक्ष्मजीव स्रोत																		
	(i)	माइकोकार्डियल इन्फरशन	स्ट्रेप्टोकीनेएस	स्ट्रेप्टोकोक्कस																		
	(ii)	उच्च रक्त कोलेस्ट्रॉलस्तर	स्टेटीन्स	मोन्नासकस परपुरेउस																		
	(iii)	अंग प्रत्यारोपण	साइक्लोस्पोरिन-A	ट्रिकोडरमा पॉलिस्पोरियम	½ x 2	½ x 2																
					½ x 2	3																
25.	<table><tr><td></td><td>शुक्राणुजनन</td><td></td><td>अंडजनन</td></tr><tr><td>(i)</td><td>यौवन की शुरुआत में</td><td>(i)</td><td>भ्रूणकेजीवनमें</td></tr><tr><td>(ii)</td><td>चार</td><td>(ii)</td><td>एक</td></tr><tr><td>(iii)</td><td>वृषण की वीर्य नलिकाओं के भीतर</td><td>(iii)</td><td>फैलोपियन ट्यूब में जब द्वितीयक अंडाणु का शुक्राणु से संपर्क हो जाता है</td></tr></table>					शुक्राणुजनन		अंडजनन	(i)	यौवन की शुरुआत में	(i)	भ्रूणकेजीवनमें	(ii)	चार	(ii)	एक	(iii)	वृषण की वीर्य नलिकाओं के भीतर	(iii)	फैलोपियन ट्यूब में जब द्वितीयक अंडाणु का शुक्राणु से संपर्क हो जाता है	1 1 1	3
	शुक्राणुजनन		अंडजनन																			
(i)	यौवन की शुरुआत में	(i)	भ्रूणकेजीवनमें																			
(ii)	चार	(ii)	एक																			
(iii)	वृषण की वीर्य नलिकाओं के भीतर	(iii)	फैलोपियन ट्यूब में जब द्वितीयक अंडाणु का शुक्राणु से संपर्क हो जाता है																			
26.	(a) प्रश्न का उत्तर देने वालेछात्रों को 1 अंक दिया जाएगा, क्योंकि दी गई जानकारी के अनुसार F1 संतान संभव नहीं है। (a) बैंगनी, अक्षीय x सफेद, टर्मिनल जनक विषमयुग्मजी प्रभावी x समयुग्मजी अप्रभावी होते हैं। VvAa × vvaa (c) बैंगनी अक्षीय x बैंगनी, अक्षीय दोनों जनक विषमयुग्मजी प्रभावी VvAA × VvAA				1 1 1	3																
27.	परभक्षण -पारिस्थिति की तंत्रमें ऊर्जा का प्रवाह. उदाहरण: घास-बकरी- शेर/शेर (परभक्षी) पौधों और पारिस्थिति की तंत्र द्वारा उत्पादित ऊर्जा को स्थानांतरित करते हैं (या कोई अन्य उदाहरण) -प्रतिस्पर्धा की तीव्रता को कम करके शिकार की प्रजातियों की विविधता बनाए रखते हैं। उदाहरण: तारामछली /पिसास्टर (शिकारी) को हटाने के कारण अकशेरुकी जीवोंकी				½+½																	

	<p>3' C-T-T-A-A-G 5'</p> <p>(नोट: ध्रुवताकेलिए 1 अंक और सही अनुक्रमकेलिए 1 अंक)</p>	1	
		2	4
30.	<p>(a)</p> <p>-रवांडा - रवांडा के आयु वितरण का बहुत व्यापक आधार तेजी से बढ़ती जनसंख्या/जनसंख्या विस्फोट/बढ़ती जनसंख्या/विस्तारित जनसंख्या को इंगित करता है</p> <p>-क्योंकि बड़ी संख्या में व्यक्ति प्रजनन-पूर्व आयु वर्ग में हैं।</p> <p>(b) यह इंगित करता है कि प्रजनन-पूर्व और प्रजनन-पश्चात आयु समूहों में व्यक्तियों की संख्या समान है।</p> <p>(c) घटती उम्र का पिरामिड</p> <p>या</p> <p>विस्तार आयु पिरामिड</p>	<p>1x 2</p> <p>1</p> <p>1</p>	4
SECTION - E			
31.	<p>(a)</p> <p>सह प्रभुत्व</p> <p>- ABO रक्त समूह जीन I द्वारा नियंत्रित होते हैं,</p> <p>- लाल रक्त कोशिका की प्लाज्मा झिल्ली में शर्करा पॉलिमर होते हैं जो इसकी सतह से निकलते हैं और शर्करा के प्रकार को जीन द्वारा नियंत्रित किया जाता है।</p> <p>- जीन (I) में तीन एलील I^A, I^B और i हैं।</p> <p>- एलील्स I^A और I^B शर्करा का थोड़ा अलग रूप उत्पन्न करते हैं।</p> <p>- I^A और I^B पूरी तरह से i पर प्रभावी हैं।</p> <p>- जब AB रक्त समूह में I^A और I^B मौजूद होते हैं तो वे दोनों अपने-अपने प्रकार</p>	1 x 5	

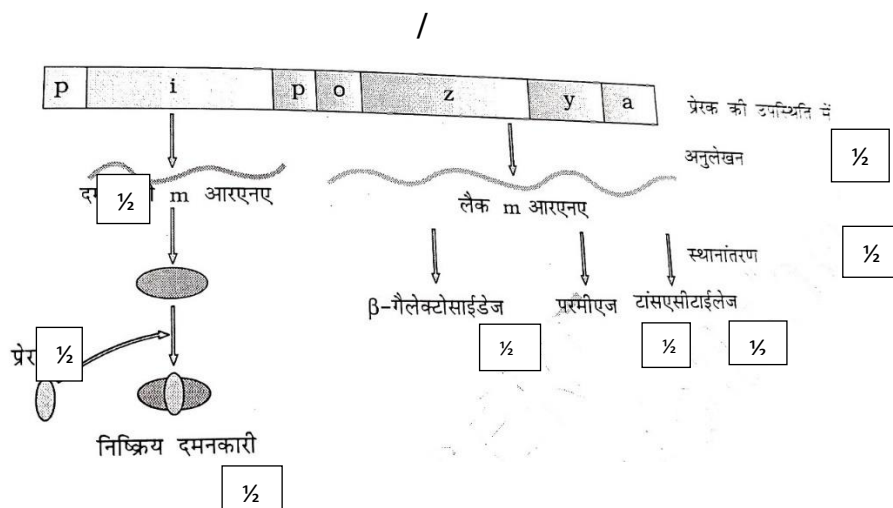
की शर्करा व्यक्त करते हैं और सहप्रभाव दिखाते हैं।
(नोट: यदि उपरोक्त बिंदुओं को तालिका या क्रॉस के रूप में दर्शाया गया है तो अंक दिए जाएंगे)

या

(b)

(i)

- लैक ऑपेरॉन का चालू होना
- लैक ऑपेरॉन में एक नियामक जीन और तीन संरचनात्मक जीन (जेड, वाई और ए) होते हैं।
- आई जीन लैक ऑपेरॉन के दमनकर्ता के लिए कोड करता है
- Z जीन बीटा-गैलेक्टोसिडेज (β -गैल) के लिए कोड करता है (बीटागैलेक्टोसिडेज, (डिसैकेराइड) लैक्टोज के गैलेक्टोज और ग्लूकोज में जलीय संलयन के लिए जिम्मेदार है)
- y जीन पर्मीज के लिए कोड करता है (जो कोशिका की पारगम्यता को β -गैलेक्टोसाइड्स/लैक्टोज के लिए बढ़ाता है)
- दमनकारी प्रोटीन ऑपरेटर क्षेत्र से जुड़ जाता है और आरएनए पोलिमेरेज को ऑपेरॉन को ट्रांसक्रिप्ट करने से रोकता है
- लैक्टोज प्रेरक है और ऑपेरॉन के चालू और बंद होने को नियंत्रित करता है
- प्रेरक की उपस्थिति में, लैक्टोज या एलोलैक्टोज, प्रेरक के साथ अंतःक्रिया द्वारा दमनकारी निष्क्रिय हो जाता है
- यह आरएनए पोलिमेरेज को प्रमोटर और अनुलेखन आगम तक पहुंचने की अनुमति देता है



(ii) जीन अभिव्यक्ति को बाधित करने के लिए रेप्रेसर ऑपरेटर से जुड़ जाता है इसलिए इसे नकारात्मक रूप से विनियमित कहा जाता है।

		$\frac{1}{2} \times 8$	
		1	5
32.	<p>(a) (i)</p> <p>प्लाज्मोडियम का मानव शरीर में प्रवेश करने से लेकर मादा एनोफिलीज मच्छर द्वारा किसी संक्रमित व्यक्ति को काटने तक प्लाज्मोडियम का जीवन चक्र।</p> <p>-प्लाज्मोडियम मानव शरीर में स्पोरोज़ोइट्स के रूप में प्रवेश करता है (संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के काटने से)</p> <p>-प्लाज्मोडियम प्रारंभ में यकृत कोशिकाओं में अलैंगिक रूप से प्रजनन करता है;</p> <p>-और फिर रक्त में जाने पर लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) पर हमला करता है</p> <p>-परजीवी (प्लाज्मोडियम) लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) में अलैंगिक रूप से प्रजनन करता है जिसके परिणामस्वरूप आरबीसी का टूटना/फटना होता है</p> <p>-आरबीसी में कई लैंगिक चरण (गैमेटोसाइट्स) विकसित होते हैं।</p> <p>-मादा एनोफिलीज मच्छर रक्त भोजन के साथ गैमेटोसाइट्स को ग्रहण करती है।</p> <p>/</p> <div style="text-align: center;"> <div style="border: 1px solid black; padding: 2px; display: inline-block;">$\frac{1}{2}$</div> </div> <div style="text-align: center; margin-top: 100px;"> <div style="border: 1px solid black; padding: 2px; display: inline-block;">$\frac{1}{2}$</div> </div>	$\frac{1}{2} \times 6$	

	<div data-bbox="245 165 1281 945"> </div> <div data-bbox="245 945 1281 1155"> <p>(ii) नर और मादा गैमेटोसाइट्स का निषेचन, स्पोरोज़ोइट्स का उत्पादन, मच्छर की लार ग्रंथियों में स्पोरोज़ोइट्स का स्थानांतरण। (कोई दो)</p> <p>या</p> <p>(b) (i)</p> </div>	<div data-bbox="1281 165 1386 945"> <p>1 + 1</p> <p>1 x 2</p> </div> <div data-bbox="1281 945 1386 1917"> <p>1 x 3</p> </div>	
<p>मालिगनेंट कैंसर</p> <p>1) बड़े पैमाने पर फैलने वाली कोशिकाएं जिन्हें नियोप्लास्टिक या ट्यूमर कोशिकाएं कहा जाता है, तेजी से बढ़ती हैं।</p> <p>2) यह शरीर के अन्य भागों में फैलता है या मेटास्टेसिस का कारण बनता है।</p> <p>3) सामान्य ऊतकों पर आक्रमण करना और उन्हें नुकसान पहुंचाना</p>	<p>बिनाइन कैंसर</p> <p>1) ट्यूमर कोशिकाएं धीरे-धीरे बढ़ती हैं।</p> <p>2) यह उनके मूल स्थान तक ही सीमित है, या कोई मेटास्टेसिस का कारण नहीं बनता है।</p> <p>3) ऊतक में थोड़ी क्षति होती है</p>	<p>1 x 3</p>	
<p>(कोई दो विभेदीकरण बिंदु)</p> <p>(ii)</p> <p>कैंसर का पता लगाने के लिए नैदानिक तकनीकें</p> <p>- बायोप्सी और/हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन- संदिग्ध ऊतक या रक्त या अस्थि मज्जा</p>			

	<p>के एक टुकड़े को पतले खंड में काटकर अभिरंजित किया जाता है और रोगविज्ञानी द्वारा जांच की जाती है।</p> <p>- रेडियोग्राफी- एक्स-रे का उपयोग, सीटी (कंप्यूटेड टोमोग्राफी) किसी वस्तु के आंतरिक भाग का त्रिआयामी प्रतिबिंब उत्पन्न करने के लिए एक्स-रे का उपयोग करता है</p> <p>-एमआरआई- जीवित ऊतकों में रोग संबंधी और शारीरिक परिवर्तनों का सटीक पता लगाने के लिए मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और गैर-आयनीकरण विकिरणों का उपयोग करता है।</p> <p>-कैंसर का पता लगाने के लिए कैंसर विशिष्ट एंटीजन के विरुद्ध एंटीबॉडी का उपयोग किया जाता है।</p> <p>- आण्विक जीव विज्ञान की तकनीक का उपयोग किसी व्यक्ति में वंशानुगत कैंसर की संवेदनशीलता वाले जीन का पता लगाने के लिए किया जाता है। (कोई तीन तकनीकें)</p>			5
33.	<p>(a)</p> <p>(i)</p> <p>पराग विमोचन और वर्तिकाग्र ग्रहणशीलता समकालिक नहीं हैं/ या तो पराग वर्तिकाग्र के ग्रहणशील होने से पहले ही मुक्त हो जाता है या पराग के निकलने से बहुत पहले ही वर्तिकाग्र ग्रहणशील हो जाता है।</p> <p>- परागकोश और वर्तिकाग्र को अलग-अलग स्थानों पर हो होते हैं ताकि पराग एक ही फूल के वर्तिकाग्र के संपर्क में न आ सके।</p> <p>- स्व-असंगति/आनुवंशिक तंत्र/स्व-परागण की रोकथाम</p> <p>स्त्रीकेसर में पराग के अंकुरण या पराग नली की वृद्धि को रोककर अपने ही पराग से बीजांड को निषेचित करने से रोकना</p> <p>- एकलिंगी पुष्प का उत्पादन.</p> <p>(ii) अंतःप्रजनन अवसाद को रोकने के लिए/बेहतर अनुकूलन के लिए अधिक विविधताएं उत्पन्न के लिए। या</p> <p>(b)</p> <p>एक सामान्य महिला में मासिक धर्म चक्र</p>			1 x 4
				1
		गर्भाशय संबंधी घटना	डिम्बग्रंथि संबंधी घटना	
(i)	प्रवर्धन चरण/ कूपिक चरण	गर्भाशय का एंडोमेट्रियम एस्ट्रोजेन फॉलिकल्स के प्रभाव में प्रसार के माध्यम से पुनर्जीवित होता है	अंडाशय में प्राथमिक फॉलिकल्स एफएसएच के तहत विकसित होकर ग्रेफियन फॉलिकल्स बन जाते (बढ़ते फॉलिकल्स द्वारा एस्ट्रोजेन का स्राव)	
(ii)	लुटिल फ़ेज/ स्रावी चरण	प्रोजेस्टेरोन की उपस्थिति में एंडोमेट्रियम (मोटाई)	टूटे हुए ग्रेफियन फॉलिकल का कॉर्पस ल्यूटियम में रूपांतरण।	

		का रखरखाव	(बड़ी मात्रा में प्रोजेस्टेरोन स्रावित करता है)।	1+1	
(iii)	मासिक धर्म चरण	कोर्पस ल्यूटियम से प्रोजेस्टेरोन की अनुपस्थिति में गर्भाशय की एंडोमेट्रियम परत का टूटना।	एफएसएच के प्रभाव में अंडाशय में प्राथमिक फॉलिकल परिपक्व और विकसित होने लगते हैं।	1+1	
				$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$	
					5